PDF NOTES ACADEMY

UGC NET

PAPET 1 HINDI MEDIUM

Whatsapp/call

9166830064

1. शिक्षण योग्यता

शिक्षण

शिक्षा के मुख्य कार्य को पढ़ाने की संकल्पना सबसे ऊपर है, मनुष्य को आकार देना, या उस विकसित गत्यात्मकता का मार्गदर्शन करना जिसके द्वारा मनुष्य स्वयं को मनुष्य के रूप में प्रस्तुत करता है। " पारंपरिक अवधारणा: - शिक्षण कक्षा की स्थिति में शिक्षार्थियों को निर्देश प्रदान करने का कार्य है। यह पारंपरिक कक्षा-कक्ष शिक्षण है। पारंपरिक कक्षा-कक्ष में अध्यापक छात्रों को जानकारी देता है, या छात्रों में से एक या कोई एक छात्र पाठ्य-पुस्तक से पढ़ता है, जबकि अन्य छात्र चुपचाप केवल छात्रों को ज्ञान या जानकारी प्रदान नहीं करते हैं । ज्ञान प्रदान करते समय शिक्षक को बच्चे के साथ-साथ विषय-वस्तु की क्रमबद्ध प्रस्तुति को भी ध्यान में रखना चाहिए। आधुनिक अवधारणा: शिक्षण से शिष्य को वांछित ज्ञान, कौशल और समाज में रहने के वांछनीय तरीकों को सीखने और प्राप्त करने का कारण बनता है। यह एक प्रक्रिया है जिसमें कुछ पूर्व निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए शिक्षार्थी, शिक्षक, पाठ्यक्रम और अन्य चर व्यवस्थित और मनोवैज्ञानिक तरीके से आयोजित किए जाते हैं। शिक्षण के बारे में कुछ विशेषज्ञ विचारः

1. रायबर्न का दृष्टिकोण: "शिक्षण एक ऐसा रिश्ता है जो बच्चे को उसकी सभी शक्तियों को विकसित करने के लिए रखता है । "

2. बर्टन का दृष्टिकोण: "शिक्षण सीखने की उत्तेजना मार्गदर्शन, दिशा और प्रोत्साहन है । "

3. स्मिथ का दृष्टिकोण: बी.ओ. के शब्दों में स्मिथ, "शिक्षण सीखने का उत्पादन करने के उद्देश्य से शिक्षण प्रणाली है।"

अध्यापन का उद्देश्य

एक अच्छा उद्देश्य विशिष्ट, परिणाम आधारित और मापने योग्य होना चाहिए। शिक्षण और सीखने के उद्देश्यों को निर्देश के अंत में एकीकृत करना चाहिए। शिक्षण के उद्देश्य हैं:

• छात्र के दृष्टिकोण में वांछित लाने के लिए

• व्यवहार और आचरण को आकार देने के लिए

• ज्ञान हासिल करना

•छात्रों के सीखने के कौशल में सुधार करने के लिए

•मान्यताओं का गठन

•समाज के एक सामाजिक और कुशल सदस्य बनने के लिए

•शिक्षण के स्तर (स्मृति, समझ और चिंतनशील)

1. मेमोरी स्तर: विचारहीन शिक्षण

2. समझ स्तर: विचारशील शिक्षण

3. चिंतनशील स्तर: ऊपरी विचारशील स्तर

<u>1. शिक्षण का स्मृति स्तर</u>

यह शिक्षण का पहला और विचारणीय स्तर है। यह स्मृति या मानसिक क्षमता से संबंधित है जो सभी जीवित प्राणियों में मौजूद

है। मेमोरी लेवल पर टीचिंग को टीचिंग का सबसे निचला स्तर माना जाता है। इस स्तर पर,

• सोचने की क्षमता किसी भी भूमिका नहीं निभाती है।

•छात्र केवल उन तथ्यों, सूचनाओं, सूत्रों और कानूनों को रट लेते हैं जो उन्हें सिखाए जाते हैं।

•शिक्षण कुछ भी नहीं है लेकिन रटे द्वारा विषय वस्तु को सीखना है। [बिगेज, मॉरिस एल (1967)]

· शिक्षक की भूमिका प्रमुख है और छात्र की भूमिका गौण है।

• अध्ययन सामग्री व्यवस्थित और पूर्व नियोजित है। शिक्षक एक क्रमबद्ध क्रम में अध्ययन सामग्री प्रस्तुत करता है।

मेमोरी स्तर शिक्षण में अंतर्दृष्टि का अभाव है। मनोवैज्ञानिक रूप से, यह संज्ञानात्मक स्तर का शिक्षण है।

स्मृति स्तर शिक्षण के गुण

1. निम्न वर्ग के बच्चों के लिए उपयोगी। यह हमारी बुद्धि के विकास के कारण है और उनके पास रुट मेमोरी है।

प-वस्तु के विकल्प बनाने के लिए स्वतंत्र होता है,

2. शिक्षण के इस स्तर में शिक्षक की भूमिका महत्वपूर्ण होती है और वह विषय-उसकी योजना बनाता है और उसे अपनी इच्छा के अनुसार प्रस्तुत कर सकता है।

3. मेमोरी लेवल टीचिंग में हासिल किया गया ज्ञान भविष्य के लिए एक आधार बनाता है, जब छात्र की बुद्धिमत्ता और सोच की आवश्यकता होती है ।

4. स्मृति स्तर शिक्षण शिक्षण के चिंतनशील और चिंतनशील स्तरों के लिए पहला कदम है। यह स्तर शिक्षण को समझने के लिए पूर्व-आवश्यकता है।

स्मृति स्तर शिक्षण के प्रदर्शन

1. यह छात्र की क्षमताओं के विकास में योगदान नहीं करता है ।

2. चूँकि इस स्तर पर छात्र रट्टा मारकर सीखता है, इसलिए प्राप्त किया गया ज्ञान वास्तविक जीवन की स्थितियों में मददगार साबित नहीं होता है क्योंकि यह छात्रों की प्रतिभा को विकसित नहीं करता है ।

3. विद्यार्थियों को कठोर अनुशासन में रखा जाता है और इस शिक्षण पर जोर दिया जाता है।

4. इस प्रकार के शिक्षण में बुद्धिमत्ता का कोई महत्व नहीं है और इसमें प्रेरणा का अभाव है

2. समझ का स्तर

किसी चीज़ को समझना अर्थ को समझना, विचार को समझना और अर्थ को समझना है। शिक्षा और मनोविज्ञान के क्षेत्र में, 'समझ के अर्थ को वर्गीकृत किया जा सकता है

•तथ्यों का कुल उपयोग देखकर

•संबंध देखना

•एक सामान्यीकृत अंतर्दृष्टि

समझ के स्तर पर शिक्षण स्मृति स्तर पर एक से अधिक गुणवत्ता का है। यह मानसिक क्षमताओं के दृष्टिकोण से अधिक उपयोगी और विचारशील है। शिक्षण के

इस स्तर पर, शिक्षक छात्र को सिद्धांतों और तथ्यों के बीच संबंध के बारे में बताता है और उन्हें सिखाता है कि इन सिद्धांतों को कैसे लागू किया जा सकता है। शिक्षण के इस स्तर के लिए स्मृति स्तर शिक्षण बाधा को पार करना आवश्यक है।

स्मृति स्तर शिक्षण की तुलना में, समझ स्तर शिक्षण में अधिक योग्यता है। यह छात्रों को विषय सामग्री पर पूरी कमांड रखने में सक्षम बनाता है। समझ में शिक्षक की भूमिका अधिक सक्रिय होती है। इस स्तर पर छात्र दूसरे स्थान पर हैं। इस स्तर पर, किसी भी को प्रोत्साहित नहीं किया जाता है। इस स्तर पर प्राप्त नया ज्ञान पहले प्राप्त ज्ञान से संबंधित है। तथ्यों के आधार पर एक सामान्यीकरण किया जाता है और नई स्थितियों में तथ्यों का उपयोग किया जाता है।

<u>शिक्षण के समझ के स्तर के गुण</u>

1. अपनी सोच क्षमताओं का उपयोग करने के लिए छात्रों को पढ़ाने के इस स्तर पर।

2. इस स्तर पर प्राप्त ज्ञान शिक्षण के चिंतनशील स्तर का आधार बनता है ।

3. यहां शिक्षक एक संगठित और अनुक्रमिक रूप में छात्रों के सामने विषय वस्तु प्रस्तुत करता है। अधिगृहीत नया ज्ञान पहले से अर्जित ज्ञान से संबंधित है।

4. यहां छात्र रट्टा मारकर नहीं सीखते। यहां वे तथ्यों और सूचनाओं और उनके उपयोग और उद्देश्य को समझकर सीखते हैं ।

<u>शिक्षण के स्तर की समझ</u>

इस स्तर पर शिक्षण केन्द्रित विषय है। इस स्तर पर शिक्षक और छात्रों के बीच कोई बातचीत नहीं है।

इस प्रकार की शिक्षा में महारत पर बल दिया जाता है।

3. शिक्षण का चिंतनशील स्तर

इस स्तर को आत्मनिरीक्षण स्तर के रूप में भी जाना जाता है। किसी चीज़ पर चिंतन करने का मतलब है कि किसी समय पर

कुछ करने के लिए सावधानीपूर्वक सोचना । इसका मतलब किसी चीज के बारे में गहराई से सोचना भी है।

• शिक्षण के चिंतनशील स्तर को उच्चतम स्तर माना जाता है जिस पर शिक्षण किया जाता है।

यह अत्यधिक विचारशील और उपयोगी है |

• एक छात्र स्मृति स्तर और समझ के स्तर से गुजरने के बाद ही इस स्तर को प्राप्त कर सकता है।

• चिंतनशील स्तर पर शिक्षण छात्रों को जीवन की वास्तविक समस्याओं को हल करने में सक्षम बनाता है।

इस स्तर पर, छात्र को वास्तविक समस्याग्रस्त स्थिति का सामना करने के लिए बनाया जाता है। स्थिति को समझने

और अपनी महत्वपूर्ण क्षमताओं का उपयोग करके छात्र समस्या को हल करने में सफल होता है।

इस स्तर पर समस्या की पहचान करने, उसे परिभाषित करने और उसका समाधान खोजने पर जोर दिया जाता है। छात्र की मूल सोच और रचनात्मक क्षमता इस स्तर पर विकसित होती है।

शिक्षण के इस स्तर में शिक्षक की भूमिका लोकतांत्रिक है। वह छात्रों पर ज्ञान को लागू नहीं करता है बल्कि उनकी प्रतिभा और क्षमताओं में विकसित होता है।

छात्रों की भूमिका काफी सक्रिय है।

शिक्षण का चिंतनशील स्तर वह है जो समस्या - केंद्रित है और छात्र मूल कल्पना में व्यस्त है।

चिंतनशील स्तर के शिक्षण के गुण

1. इस स्तर पर शिक्षण शिक्षक-केंद्रित या विषय- केंद्रित नहीं है, यह झुकाव - केंद्रित है।

2. परावर्तक स्तर के शिक्षण में शिक्षक और सिखाया के बीच परस्पर क्रिया होती है।

3. इस स्तर पर, शिक्षण उच्च वर्ग के लिए उपयुक्त है।

4. इस स्तर पर, शिक्षण स्मृति या समझ के स्तर पर शिक्षण की तुलना में अत्यधिक विचारशील और उपयोगी है।

चिंतनशील स्तर के शिक्षण के प्रदर्शन

1. शिक्षण के निचले स्तर पर छोटे बच्चों के लिए उपयुक्त नहीं है । यह केवल मानसिक रूप से परिपक्व बच्चों के लिए उपयुक्त है

2. इस स्तर पर, अध्ययन सामग्री न तो व्यवस्थित है और न ही पूर्व नियोजित है। इसलिए छात्र अपने अध्ययन पाठ्यक्रमों के व्यवस्थित और व्यवस्थित ज्ञान को प्राप्त नहीं कर सकते हैं ।

शिक्षण की विशेषताएं: -

1. शिक्षण का मुख्य चरित्र मार्गदर्शन और प्रशिक्षण प्रदान करना है।

. शिक्षण शिक्षक और छात्रों के बीच बातचीत है।

3. शिक्षण प्रभावी तरीके से छात्रों को ज्ञान देने की एक कला है।

4. शिक्षण विभिन्न विषयों के विभिन्न विषयों के तथ्यों और कारणों को शिक्षित करने का विज्ञान है ।

5. शिक्षण जारी प्रक्रिया है।

6. शिक्षक प्रभावी ढंग से पढ़ा सकता है, अगर उसे विषय पर पूरा भरोसा हो ।

7. शिक्षण छात्रों को अधिक से अधिक सीखने के लिए प्रोत्साहित करता है।

8. शिक्षण औपचारिक होने के साथ-साथ अनौपचारिक भी है

9. शिक्षण छात्रों को सूचना का संचार है। शिक्षण में, शिक्षक रोचक तरीके से जानकारी प्रदान करता है ताकि छात्र आसानी से क को समझ सकें।

10. शिक्षण छात्र को समाज और उसके वातावरण में खुद को समायोजित करने में मदद करने के लिए उपकरण है।

<u>अध्यापन की बुनियादी आवश्यकताएँ</u>

शिक्षण की बुनियादी आवश्यकताओं में शामिल हैं,

I. शिक्षक

II. सीखने वाला।

III. विषय (विषय)

IV. पर्यावरण

शिक्षार्थी की विशेषताएं

किशोर शिक्षार्थी के लक्षण

युवा किशोर महत्वपूर्ण शारीरिक, भावनात्मक, बौद्धिक, नैतिक और सामाजिक परिवर्तनों के दौर से गुजर रहे हैं। चूंकि इन परिवर्तनों की प्रकृति कई बार तीव्र और विविध होती है, इसलिए उन्हें उन लोगों द्वारा पहचाना और परखा जाना चाहिए, जो उनके सीखने का निर्देशन करते हैं।

अकादमिक

शिक्षार्थियों की शैक्षणिक विशेषताओं में शिक्षा प्रकार, शिक्षा स्तर और ज्ञान शामिल हैं। युवा किशोरों में, बौद्धिक विकास

शारीरिक विकास के रूप में दिखाई नहीं देता है, लेकिन यह उतना ही तीव्र है। प्रारंभिक किशोरावस्था के दौरान, युवा व्यक्तिगत बौद्धिक विकास की एक विस्तृत श्रृंखला का प्रदर्शन करते हैं, जिसमें मेटा- अनुभूति और स्वतंत्र विचार शामिल हैं। वे जिज्ञासु होते हैं और व्यापक हितों को प्रदर्शित करते हैं। आमतौर पर, युवा किशोर उन विषयों के बारे में जानने के लिए उत्सुक होते हैं

दिलचस्प और उपयोगी खोजें - जो व्यक्तिगत रूप से प्रासंगिक हैं । वे निष्क्रिय सीखने के अनुभवों पर भी सक्रिय हैं और शैक्षिक गतिविधियों के दौरान साथियों के साथ बातचीत करना पसंद करते हैं। सभी छात्रों को जो कुछ सिखाया जा रहा है, उससे संबंधित कुछ व्यक्तिगत ज्ञान है। यह महत्वपूर्ण विषय की अवधारणाओं, संबंधित विषय अवधारणाओं और संबंधित छात्रों के बीच कक्षा में लाए जाने वाले अनुभवों के बीच निरंतर संबंधों की खोज, या पूर्व-मूल्यांकन करने के लिए एक शिक्षक की रचनात्मक चुनौती है। ये कनेक्शन सीखने के लिए स्प्रिंगबोर्ड बनाते हैं।

शिक्षक को छात्र की प्रगति के लिए शैक्षणिक अवधारणाओं, कुछ लक्ष्यों तक पहुंचने में सफलता, और व्यवहार में सुधार के लिए उन्हें सीखने वालों के रूप में लाभ की पुष्टि करनी चाहिए।

सामाजिक

किशोर सामाजिक विकास को अक्सर पहचान की भावना और भूमिका और उद्देश्य की स्थापना की प्रक्रिया के रूप में वर्णित किया जाता है। यह स्वयं से बाहर की भावना है। शारीरिक छवि विशेष रूप से लड़कियों के लिए स्वयं और पहचान की भावना विकसित करने में एक महत्वपूर्ण कारक है, और परिवार और तेजी से सहकर्मी वयस्क भूमिकाएं प्राप्त करने के लिए किशोरों की सहायता और समर्थन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं । जोखिम उठाना किशोरों की यात्रा का एक स्वाभाविक हिस्सा है । सामाजिक विकास और भावनात्मक विकास बारीकी से जुड़े हुए हैं क्योंकि युवा लोग स्वयं और व्यक्तिगत पहचान की भावना खोज करते हैं। वे व्यक्तिगत विकल्प बनाने की इच्छा रखते हैं। वे सामूहिक मानदंडों के अनुरूप सामाजिक स्वीकृति और सहकर्मी संबंध चाहते हैं। वे पारिवारिक निष्ठाओं को कम करते हैं और सहकर्मी निष्ठाओं को मजबूत करते हैं लेकिन फिर भी माता-पिता के मूल्यों पर दृढ़ता से निर्भर करते हैं। किशोरों के कार्य अक्सर मिथकों और गलत सूचनाओं पर आधारित होते हैं। इसके अलावा, मीडिया और संस्कृति का प्रभाव पुरुषों, महिलाओं और रिश्तों की उनकी धारणा को प्रभावित करता है। प्रतियोगिताओं के परिणामस्वरूप होने वाले सामाजिक दबावों से निपटने के लिए छात्रों को सिखाया जाना चाहिए। प्रतियोगिता के प्रति स्वस्थ दृष्टिकोण को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। छात्रों को आत्म-सुधार के लिए प्रयास करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

भावुक

जिस तरह से एक व्यक्ति अपने बारे में और दूसरों के बारे में सोचता है और महसूस करता है, वह उनके भीतर के विचार उनके भावनात्मक विकास की कुंजी है। किशोर

तेजी से मूड बदलते हैं और वयस्कों के प्रति विद्रोही बन सकते हैं। वे आलोचना के प्रति संवेदनशील हैं और आसानी से नाराज हो जाते हैं। तेजी से होने वाले परिवर्तनों का अनुभव होने के कारण किशोरावस्था के दौरान लचीलापन, आत्मसम्मान और मैथुन कौशल जैसे व्यक्तिगत भावनात्मक संपत्ति का विकास और प्रदर्शन होता है। स्कूल सामाजिक और भावनात्मक सीखने के लिए महत्वपूर्ण साइट हैं और छात्र कल्याण के आसपास नीतियों और कार्यक्रमों को विकसित किया है, अक्सर ताकत आधारित दृष्टिकोण पर ध्यान केंद्रित किया जाता है ।

संज्ञानात्मक

अनुभूति विचार, औचित्य और धारणा को शामिल करने वाली प्रक्रिया है। किशोरावस्था के दौरान होने वाले मस्तिष्क के शारीरिक परिवर्तन संज्ञानात्मक विकास के विशिष्ट पैटर्न का पालन करते हैं। उन्हें उच्च-स्तरीय संज्ञानात्मक कार्यप्रणाली के विकास की विशेषता है जो मस्तिष्क संरचना और कार्य में परिवर्तन के साथ संरेखित करता है, विशेष रूप से प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स क्षेत्र में। किशोरावस्था एक संवेदनशील मस्तिष्क अवधि है जो एक समय है जब मस्तिष्क की प्लास्टिसिटी बढ़ जाती है। इस

समय के दौरान, सीखने और संज्ञानात्मक विकास का अवसर होता है क्योंकि मस्तिष्क अनुभवों की प्रतिक्रिया में संरचना और कार्य में परिवर्तित होता है। शिक्षकों को शैक्षिक दृष्टिकोण और सामग्री प्रदान करने की आवश्यकता है जो उनके छात्र की व्यापक

संज्ञानात्मक क्षमताओं के लिए उपयुक्त हैं। उदाहरण के लिए, ठोस विचारकों को अधिक संरचित सीखने के अनुभवों की आवश्यकता होती है, जबकि अमूर्त विचारकों को अधिक चुनौतीपूर्ण गतिविधियों की आवश्यकता होती है। इसके अलावा, युवा किशोरों को ऐसे शिक्षकों की आवश्यकता होती है जो समझते हैं और जानते हैं कि उन्हें कैसे लगता है कि शिक्षकों को वास्तविक जीवन की अवधारणाओं के आसपास पाठ्यक्रम की योजना बनाने और प्रामाणिक शिक्षाप्रद गतिविधियों (जैसे, प्रयोग,

विश्लेषण और डेटा के संश्लेषण) की आपूर्ति करने की आवश्यकता है जो युवा किशोरों के लिए सार्थक हैं। क्योंकि युवा किशोरों के हित विकसित हो रहे हैं, उन्हें अपने पूरे शैक्षिक कार्यक्रम में अन्वेषण के लिए अवसरों की आवश्यकता होती है।

अच्छे शिक्षार्थी के लक्षण: -

• जिज्ञासु

•ध्यान से समझना

• सामाजिक और व्यक्तिगत गुण

• जानने की इच्छा

• शिक्षार्थी की रुचि और दृष्टिकोण

• आसानी से बदलने के लिए समायोजन

• आंतरिक प्रेरणा

• सीखने की शक्ति

•घबराहट

मन और रचनात्मकता का अनुप्रयोग सामाजिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि

शिक्षक से संबंधित शिक्षण को प्रभावित करने वाले कारक: शिक्षक, शिक्षार्थी, सहायक सामग्री, शिक्षण सुविधाएं, सीखने का

माहौल और संस्थान

अध्यापक

शिक्षक - शिक्षक शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में सीखने की सुविधा के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सर्वोत्तम शिक्षण तकनीकों और कुशल तरीकों को अपनाकर एक शिक्षक शिक्षार्थियों की सही प्रतिभा का पता लगा सकता है ताकि उन्हें गुणवत्तापूर्ण सीखने की प्रक्रिया में मदद मिल सके।

यह शिक्षक के विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है -

शैक्षिक योग्यता - विभिन्न विषयों और क्षेत्र का सीखना अत्यधिक मूल्यवान निर्देश प्रदान कर सकता है जो केवल सामान्य डिग्री वाले व्यक्ति की तुलना में प्रभावी हो सकता है। यदि आप उस शिक्षक की तुलना करते हैं, जिसके पास एमएड या पीएचडी है, तो आप छात्रों को ज्ञान के विभिन्न तरीकों और ज्ञान प्रदान करने में सक्षम होंगे।

कौशल - 'शिक्षण प्रतिभा' अलग मनोविज्ञान है। जिसके पास उच्च डिग्री है वह आश्वस्त नहीं कर सकता कि उसके पास सही वृत्ति है और दूसरों की तुलना में बेहतर तरीके से सिखा सकता है। शिक्षण कौशल छात्रों के साथ जुड़ने के बारे में है; यह आपके द्वारा लागू शिक्षण की पद्धति, कक्षा कक्ष में छात्रों के साथ आपके स्पष्टीकरण और जुड़ाव के तरीके पर निर्भर करता है। शिक्षक को निम्नलिखित कौशल की महारत हासिल करने की आवश्यकता है -

बेहतर भागीदारी और जुड़ाव के लिए संचार कौशल

- शिक्षण सहायक सामग्री का प्रभावी ढंग से उपयोग
- शिक्षण पद्धति का उचित रूप से चयन
- शिक्षण के लिए जुनून

सबसे अच्छा मार्गदर्शक या संरक्षक के रूप में कार्य करने के लिए मानव संबंध कौशल

अनुभव - इसका सर्वविदित तथ्य कि मानदंड पूरा करने के बाद शिक्षक बनना आसान है लेकिन वे वास्तव में अपने अनुभव के साथ 'मास्टर' बन जाते हैं। उच्च योग्यता शिक्षकों को विभिन्न विषयों या जटिल सूत्र को समझने के मामले में बढ़त दे सकती है, लेकिन यह कक्षा में अनुभव है जो आपको छात्रों के सीखने को बेहतर बनाने के लिए बेहतर तरीके सीखने और नियोजित करने में मदद करता है। क्लास रूम में विभिन्न छात्रों की विभिन्न मानसिकता को संभालने के लिए भी यह आवश्यक है।

विषय-वस्तु - कई बार शिक्षकों को एक ऐसा विषय सौंपा गया है जिसमें वह विशिष्ट नहीं है और वह प्रभावी तरीके से

शिक्षार्थियों की मदद करने के लिए बेहतर स्थिति में नहीं है .... इसलिए विषय और एसएमई के प्रति जुनून भी महत्वपूर्ण कारक है जो छात्रों के सीखने को प्रभावित करता है। उदाहरण के लिए, यह बहुत कम मौका है कि कला शिक्षक विज्ञान से संबंधित विषयों में अच्छा सीखने का अनुभव दे सके।

सिखाने वाला

-

शिक्षार्थी - सीखना सबसे प्रभावी होता है जब शिक्षार्थी की भाषा, सांस्कृतिक और सामाजिक व्यवहारों में अंतर को ध्यान में रखा जाता है, यह सीखने के लिए बुद्धि, जातीय समूह, नस्ल, विश्वास और सामाजिक आर्थिक स्थिति पर ध्यान देना आवश्यक है जो कक्षा में शिक्षण को प्रभावित कर सकता है। कक्ष। शारीरिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अभिविन्यास के संदर्भ में हर व्यक्ति दूसरों के साथ अलग है; ये पहलू शिक्षार्थी को एक दूसरे से अलग बनाते हैं।

इसके अलावा यह जीवन के लक्ष्यों के प्रति अभिवृत्ति, दृष्टिकोण, प्रेरणा, मानसिक स्वास्थ्य और आकांक्षा सहित शिक्षार्थी के हित पर निर्भर करता है।

संक्षेप में - क्लास रूम में चीजों को सीखने की क्षमता के संदर्भ में सीखने का मनोवैज्ञानिक अंतर महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

समर्थन सामग्री - शिक्षक सहायता प्रणाली ऐसे उपकरणों से बनी है जो शिक्षकों की क्षमता में सुधार करके छात्र की उपलब्धि को बेहतर बनाएंगे। विभिन्न शिक्षण सहायता और सहायता प्रणाली निर्णय लेने के तरीके को प्रभावित कर

है और छात्रों को जानकारी दी जाती है । यह उस क्षेत्र का विश्लेषण करने में मदद करता है जिसमें छात्र प्रदर्शन कर रहे हैं। इससे शिक्षकों को प्रभावी रणनीतियों के उपयोग से छात्र सीखने को बढ़ाने के लिए नए कौशल प्राप्त करने में मदद मिलती है। यह एक विशाल क्षेत्र है जिसमें शिक्षकों द्वारा टूल, मूल्यांकन विधियों और पेशेवर विकास के प्रभावी उपयोग के माध्यम से समग्र सीखने की प्रक्रिया को बेहतर बनाने के लिए कई उप खंड शामिल किए गए हैं।

छात्र मूल्यांकन और स्कोर

शिक्षण रणनीतियाँ और पाठ योजनाएँ

मानक और बेंचमार्क

पारंपरिक, आधुनिक और आईसीटी आधारित उपकरणों का प्रभावी उपयोग

निर्देशात्मक सुविधाएं-

-शिक्षण सहायक सामग्री - किसी भी कक्षा में शिक्षण सहायक अभिन्न अंग हैं। शिक्षण सहायक सामग्री के कई लाभों में शामिल हैं शिक्षार्थियों को समझ कौशल में सुधार करने में मदद करना, एक कौशल या अवधारणा को समझना या मजबूत करना, निर्देश को अलग करना और नए और रोमांचक तरीके से जानकारी पेश करके चिंता या ऊब को दूर करना ।

• खने का मौ

दूर करता

कक्षा-कक्ष का वातावरण - कक्षा कक्ष का वातावरण सीखने की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और यह शिक्षक और शिक्षार्थी दोनों को प्रभावित करता है। जबकि यह शिक्षक और छात्रों दोनों द्वारा बनाए रखा जाना है। शिक्षा में सक्रिय भागीदारी के लिए, छात्रों की एकाग्रता की आवश्यकता होती है। शिक्षक को अन्य कारकों के साथ छात्रों के व्यवहार पर ध्यान देने की आवश्यकता है क्लास रूम के माहौल में सुधार करें ताकि छात्र छात्रों के साथ बातचीत करते समय शिक्षकों की आवाज़ सुनें

सामाजिक-आर्थिक कारक - शिक्षक और छात्रों की आर्थिक और सामाजिक पृष्ठभूमि भी सीखने की अवस्था को प्रभावित करती है। छात्रों और शिक्षक दोनों के विचार स्तर पर इसका प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष प्रभाव पड़ता है। शिक्षण के विभिन्न अध्ययनों ने गरीब और अमीर छात्रों को आर्थिक रूप से वर्गीकृत किया है और इन कारकों का उनकी सीखने की गति पर प्रभाव है। दूसरी तरफ अगर शिक्षक को वेतन के मामले में कम वेतन दिया जाता है, तो यह कक्षा में उसकी सोच के स्तर और शिक्षण के तरीकों को भी प्रभावित करता है ।

उम्मीदें - प्रत्येक माता-पिता को अपने बच्चों के साथ इस बात की अपेक्षा होती है कि वे अपने बच्चों को क्या और कहाँ देखना चाहते हैं। इससे छात्रों पर तनाव और हानि का मनोवैज्ञानिक प्रभाव पड़ता है। अक्सर यह देखा गया कि यदि छात्र मानसिक रूप से प्रदर्शन करने में सक्षम नहीं है, तो यह अवसाद पैदा करता है और कुछ समय के लिए जीवन की विफलता का कारण बनता है। छात्रों पर बोझ को कम करने और उन्हें सीखने में सुधार करने में मदद करने के लिए सीखने की प्रक्रिया में माता-पिता की भागीदारी महत्वपूर्ण है ।

संस्थान - शिक्षक शिक्षण प्रक्रिया को प्रभावित करने वाली संस्था की प्रशासनिक नीति का पालन कर रहा है। ऐसी संभावनाएं हैं कि शिक्षक एक तरह से वितरित करना चाहता है जिसे वह करना पसंद करता है लेकिन संस्थान की नीति उसे अपनी पद्धति का उपयोग करने की अनुमति नहीं देती है। इससे शिक्षक में असंतोष होता है जिससे सीखने की प्रक्रिया धीमी हो जाती है । यह ऐसा नहीं होना चाहिए कि शिक्षक को जिस तरह से वे चाहते हैं, वैसे ही सीखने की राह को बेहतर बनाने के लिए पाठ और परामर्श की प्रभावी योजना की आवश्यकता होनी चाहिए।

कौशल (1982) ने निम्नलिखित शिक्षण कौशल पर जोर दिया है।

निर्देशात्मक उद्देश्य लिखना

सामग्री का आयोजन

पाठ शुरू करने के लिए सेट बनाना

एक सबक का परिचय.

कक्षा के प्रश्नों की संरचना करना

प्रश्न वितरण और उसका वितरण

प्रतिक्रिया प्रबंधन

यह समझाते हुए

उदाहरणों के साथ चित्रण

ID SINGH 8285151100

• शिक्षण सहायक सामग्री का उपयोग करना

• उत्तेजना भिन्नता

पाठ की जगह

विद्यार्थियों की भागीदारी को बढ़ावा देना

• ब्लैकबोर्ड का उपयोग

पाठ बंद करने की प्राप्ति

असाइनमेंट देना

विद्यार्थियों की प्रगति का मूल्यांकन करना

विद्यार्थियों को सीखने की कठिनाइयों का निदान करना और उपचारात्मक उपाय करना

कक्षा का प्रबंधन

सूक्ष्म शिक्षण -

माइक्रो-शिक्षण स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में अनुसंधान का एक उत्पाद है। इसे पहली बार 1961 में ड्वाइट डब्ल्यू । एलन और उनके सहकर्मियों ने अपनाया था। इसका तात्पर्य है सूक्ष्म तत्व जो शिक्षण प्रक्रिया की जटिलताओं को सरल बनाने का प्रयास करता है। शिक्षण एक जटिल प्रक्रिया है । इसे कठोर और सामान्य सेटिंग में महारत हासिल नहीं की जा सकती। तो यह अच्छी तरह से परिभाषित घटकों में विश्लेषण किया जाता है जिन्हें अभ्यास, सिखाया और मूल्यांकन किया जा सकता है। माइक्रो-शिक्षण विशिष्ट शिक्षण व्यवहारों पर ध्यान केंद्रित करता है और नियंत्रित परिस्थितियों में शिक्षण का अभ्यास करने अवसर प्रदान करता है। इसलिए सूक्ष्म

शिक्षण के माध्यम से, शिक्षक और छात्र के व्यवहार को संशोधित किया जाता है और कौशल प्रशिक्षण द्वारा शिक्षण- सीखने की प्रक्रिया अधिक प्रभावी होती है।

शिक्षण पद्धति

विभिन्न प्रकार की शिक्षण विधियाँ हैं जिन्हें चार व्यापक प्रकारों में वर्गीकृत किया जा सकता है।

1. शिक्षक केंद्रित तरीके,

2. शिक्षार्थी केंद्रित तरीके,

3. सामग्री-केंद्रित तरीके; तथा

4. सहभागी / सहभागी विधियाँ ।

1 प्रशिक्षक / शिक्षक केंद्रित तरीके

यहाँ शिक्षक स्वयं / स्वयं को विषय के स्वामी होने की भूमिका में रखता है। शिक्षक को शिक्षार्थियों द्वारा एक विशेषज्ञ या एक प्राधिकरण के रूप में देखा जाता है। दूसरी ओर, शिक्षार्थी शिक्षक से ज्ञान प्राप्त करने वाले और प्रचुर मात्रा में प्राप्त करने वाले होते हैं। इस तरह के तरीकों के उदाहरण एक्सपोजिटरी या व्याख्यान के तरीके हैं - जिनमें शिक्षण प्रक्रिया में शिक्षार्थियों की बहुत कम या कोई भागीदारी की आवश्यकता होती है। यह शिक्षार्थियों की इस कमी के लिए भी है कि उन्हें क्या सिखाया जाता है कि ऐसे तरीकों को "बंद- समाप्त" कहा जाता है।

2 शिक्षार्थी केंद्रित तरीके

शिक्षार्थी केंद्रित विधियों में, शिक्षक / प्रशिक्षक एक ही समय में शिक्षक और शिक्षार्थी दोनों होते हैं। लॉरेंस स्टैनहाउस के शब्दों में, शिक्षक एक शिक्षार्थी के रूप में एक

दोहरी भूमिका निभाता है और साथ ही " अपनी कक्षा में अपने बौद्धिक क्षितिज को सीमित करता है" ।

शिक्षक हर दिन नई चीजें सीखता है जो उसने शिक्षण की प्रक्रिया में नहीं जानी है। शिक्षक "एक प्राधिकरण के बजाय एक संसाधन बन जाता है"। सीखने - केंद्रित तरीकों के उदाहरण चर्चा पद्धति, खोज या पूछताछ-आधारित दृष्टिकोण और चर्चा के माध्यम से हिल के सीखने के मॉडल (लि ।) हैं।

3 सामग्री-केंद्रित तरीके

तरीकों की इस श्रेणी में, शिक्षक और शिक्षार्थियों दोनों को सिखाई जाने वाली सामग्री में t करना होता है। आम तौर पर, इसका मतलब है कि सिखाई जाने वाली जानकारी और कौशल को पवित्र या बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। सामग्री की स्पष्टता और सावधानीपूर्वक विश्लेषण पर बहुत सी सहूलियतें रखी गई हैं। शिक्षक और शिक्षार्थी दोनों सामग्री के साथ कुछ भी करने के लिए बदल नहीं सकते हैं या महत्वपूर्ण नहीं बन सकते हैं। एक विधि का एक उदाहरण जो शिक्षक और शिक्षार्थियों के हितों को सामग्री के अधीन करता है, जो प्रोग्रामेड लर्निंग अप्रोच है।

4 इंटरएक्टिव / प्रतिभागी तरीके

यह चौथी श्रेणी सीखने, सामग्री या शिक्षक पर अनिवार्य रूप से जोर देने के बिना तीन अन्य तरीकों से थोड़ा उधार लेती है। इन विधियों को स्थितिजन्य विश्लेषण द्वारा संचालित किया जाता है जो हमें सीखने और शिक्षक की स्थिति को सीखने / करने के लिए सबसे उपयुक्त चीज है। उन्हें विभिन्न डोमेन और कारकों की सहभागितापूर्ण समझ की आवश्यकता होती है।

व्याख्यान विधि

एक औपचारिक या अर्ध औपचारिक प्रवचन जिसमें प्रशिक्षक घटनाओं, तथ्यों या सिद्धांतों की एक श्रृंखला प्रस्तुत करता है, एक समस्या की खोज करता है या रिश्तों की व्याख्या करता है

यह नए विचारों का निर्माण करता है। यह एक बड़े वर्ग के लिए अच्छा है। छात्रों ने व्याख्यान के अंत में अपने विचार दिए। शिक्षक अनुभवी है और इस विषय में निपुणता रखता है, सभी बिंदुओं को समझाता है और छात्रों द्वारा उठाए गए सभी प्रश्नों का उत्तर दे सकता है। छात्र पूछ सकते हैं कि क्या उन्हें किसी स्पष्टीकरण की आवश्यकता है।

सुनने के माध्यम से जानें शिक्षक सभी बिंदुओं को समझाता है। छात्र अपने इनपुट देते हैं शिक्षक आसान भाषा में कक्षा में पूरे विषय पर चर्चा करता है छात्र आसानी से विषय को समझ सकते हैं। यह एक बड़े वर्ग के लिए अच्छा है।

प्रक्रियाओं पर निर्देश देने के लिए।

आधारभूत सामग्री प्रस्तुत करना।

किसी प्रदर्शन, चर्चा या प्रदर्शन का परिचय न दें ।

नियमों, सिद्धांतों या अवधारणाओं के अनुप्रयोग का वर्णन करता है । समीक्षा के दौरान, स्पष्ट करना, जोर देना या संक्षिप्त करना समय बचाता है।

लचीलेपन की अनुमति देता है।

- कम कठोर स्थान की आवश्यकता होती है ।
- अनुकूलन क्षमता की अनुमति देता है।
- नुकसान

•बहुमुखी प्रतिभा की अनुमति देता है।

•संपर्क और अनुक्रम पर बेहतर केंद्र का निर्माण करें।

• एक-तरफ़ा संचार प्रदान करता है

• कौशल शिक्षण में समस्याएँ ।

• छात्र की निष्क्रियता को प्रोत्साहित करता है।

• छात्र की प्रतिक्रिया को समझने में कठिनाई होती है।

• अत्यधिक कुशल प्रशिक्षकों की आवश्यकता है।

•चर्चा विधि

एक विधि जिसमें समूह चर्चा तकनीकों का उपयोग अनुदेशात्मक उद्देश्यों तक पहुंचने के लिए किया जाता है।

छात्र अन्य की राय को सुनते हैं और उन शिक्षकों के साथ चर्चा करते हैं जो छात्र अपने दम पर सीखते थे और महत्वपूर्ण विचारों का पता लगाते थे।छात्रों ने अपने विचारों का आदान-प्रदान किया। छात्रों को सभी के विचार मिलते हैं और चर्चा के बाद नहीं जब छात्र अपने विचारों को देते हैं शिक्षक अपनी गलतियों को सुधारते हैं। छात्र अपने नोट्स खुद बना सकते हैं।

समस्या के लिए कल्पनाशील समाधान विकसित करना

• सोच और रुचि को प्रोत्साहित करने के लिए और से

• मुख्य शिक्षण बिंदुओं पर जोर देना ।

• यह निर्धारित करें कि छात्र अवधारणाओं और सिद्धांत को कितनी अच्छी तरह समझता है

प्रक्रिया के सिद्धांत के आवेदन के लिए छात्रों को तैयार करते हैं ।

पूरक व्याख्यान, पढ़ने और प्रयोगशाला अभ्यास।

संक्षेप, अंकों या समीक्षा को स्पष्ट करने के लिए।

छात्र की रुचि बढ़ाएं

छात्रों की स्वीकृति और प्रतिबद्धता बढ़ाता है

छात्र ज्ञान और अनुभव का उपयोग करता है।

अधिक स्थायी सीखने में क्योंकि छात्र भागीदारी की उच्च डिग्री ।

नुकसान

• अत्यधिक कुशल प्रशिक्षक की आवश्यकता है।

• छात्र द्वारा तैयारी की आवश्यकता है।

• सामग्री को सीमित करता है ।

समय का उपभोग करता है।

• समूहों के आकार को प्रतिबंधित करता है।

आत्म-

-निर्देश की एक विधि

• उपचारात्मक निर्देश प्रदान करने के लिए।

• देरी से आने वाले, अनुपस्थित रहने वाले, या ग्राहकों के लिए मेकअप निर्देश प्रदान करना ।

पहले सीखे गए कौशल को बनाए रखने के लिए जो अक्सर पर्याप्त प्रदर्शन नहीं किया जाता है।

अप्रचलित हो गए उपकरणों और प्रक्रियाओं पर पुनः नियंत्रण प्रदान करने के लिए।

• उत्पादन को उन्नत करने के लिए।

• सक्षम छात्रों में तेजी लाने के लिए |

• छात्रों के बीच पर्याप्त सामान्य पृष्ठभूमि प्रदान करने के लिए।

• ज्ञान और कौशल की समीक्षा और अभ्यास प्रदान करने के लिए।

उपयोग / लाभ

• विफलता दर कम करें।

पाठ्यक्रम की दक्षता में सुधार करता है।

• समय बचाना।

नुकसान

आत्म-निर्देश के लिए प्रदान करता है।

स्थानीय या वाणिज्यिक की आवश्यकता है

• तैयार करना ।

• लंबा प्रोग्रामर प्रशिक्षण की आवश्यकता है।

खर्च बढ़ाता है ।

काफी नेतृत्व समय की आवश्यकता है।

अध्ययन सहायता पद्धति

एक विधि जिसमें प्रशिक्षक अभ्यास के लिए पुस्तकों, पत्रिकाओं, परियोजना या शोध पत्रों या अभ्यासों को पढ़ता है।

• कक्षा या प्रयोगशाला के काम से पहले एक विषय के लिए छात्रों को उन्मुख करने के लिए।

यह किसी भी विषय पर शोध की क्षमता को बढ़ाता है, क्योंकि विभिन्न पुस्तकों से छात्र का खोज विषय, सक्रिय शिक्षण सीखता है

व्याख्यान प्रदर्शन या चर्चा के लिए मंच तैयार करना ।

अलग-अलग के माध्यम से क्षमता, पृष्ठभूमि, या अनुभव में व्यक्तिगत अंतर के लिए प्रदान या पूंजीकरण करना

कक्षा में शामिल सामग्री की समीक्षा के लिए या अभ्यास देने के लिए |

• संवर्धन सामग्री प्रदान करना ।

निर्देश की एक विधि जिसमें एक प्रशिक्षक सीधे एक व्यक्तिगत छात्र के साथ काम करता है ।

• खतरे या महंगे उपकरणों से जुड़े अत्यधिक जटिल कौशल संचालन या संचालन तक पहुंचने के लिए।

• वैयक्तिकृत उपचारात्मक सहायता प्रदान करना

सेमिनार विधि

प्रशिक्षक के बजाय प्रशिक्षक और समूहों को शामिल करने वाली एक ट्यूटोरियल व्यवस्था

• एक उन्नत अध्ययन या अनुसंधान परियोजना पर काम करने वाले समूह के लिए सामान्य मार्गदर्शन प्रदान करना ।

अध्ययन या अनुसंधान समूह के सदस्यों द्वारा खोजी जा रही तकनीकों और दृष्टिकोणों के बारे में जानकारी का आदान-प्रदान करना।

समूह द्वारा अध्ययन के तहत समस्याओं के लिए नए और कल्पनाशील समाधान विकसित करना ।

विमोचन विधि (THE DEMONSTRATION METHOD)

अनुदेशन का एक तरीका जहां प्रशिक्षक वास्तव में ऑपरेशन करके या नौकरी करके छात्रों को दिखाता है कि उसे क्या करना है,

कैसे करना है, और स्पष्टीकरण के माध्यम से पता चलता है कि क्यों, कहाँ और कब किया जाता है।

• जोड़तोड़ संचालन या प्रक्रियाओं को पढ़ाने के लिए।

• समस्या निवारण सिखाना ।

• सिद्धांतों को स्पष्ट करने के लिए।

उपकरणों के संचालन या कामकाज को सिखाने के लिए |

टीमवर्क सिखाने के लिए।

के मानक तय करना ।

सुरक्षा प्रक्रियाओं को सिखाने के लिए

अधिक दिलचस्प अधिक जानकारीपूर्ण बुद्धिशीलता

ज्ञान प्राप्त करें

• सीखना प्रभावी है

• छात्रों की अधिक भागीदारी

• छात्र अपनी राय दें

• सक्रिय अध्ययन

• रचनात्मक सोच को प्रोत्साहित किया जाता है।

• छात्र अपने ज्ञान से परे सोचते हैं।

• सभी को अपने विचार व्यक्त करने का मौका मिलता है ।

सरल विषयों को विभिन्न कोणों से सीखा जा सकता है।

• दिलचस्प विधि

रोल प्ले

रचनात्मक सोच को प्रोत्साहित किया जाता है।

- छात्र अपने ज्ञान से परे सोचते हैं।
- छात्र स्थिति का आनंद लेते हैं
- सक्रिय अध्ययन
- सीखने में आसान
- सक्रिय अध्ययन
- रचनात्मक सोच को प्रोत्साहित किया जाता है।
- छात्र अपने ज्ञान से परे सोचते हैं।

SWAYAM एक स्वदेशी (मेड इन इंडिया) IT मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्सेज (MOOCs) है जो सर्वोत्तम गुणवत्ता की शिक्षा प्रदान करने के लिए प्लेटफ़ॉर्म है, जिसे आईटी प्रणाली का उपयोग करके, किसी भी समय और किसी भी जगह पहुँचा जा सकता है। बड़े पैमाने पर खुले ऑनलाइन पाठ्यक्रम (एमओओसी) की अवधारणा में एक साथ बड़ी संख्या में लोगों के लिए इंटरैक्टिव शिक्षण सामग्री की ऑनलाइन डिलीवरी शामिल है। यह सभी के साथ सर्वोत्तम गुणवत्ता की शिक्षा को साझा करने की अनुमति देता है, जिससे शिक्षा की गुणवत्ता का संबंध है, जहां तक इक्विटी में लाया जाता है। SWAYAM मंच को मानव संसाधन विकास मंत्रालय (MHRD) और अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (AICTE) ने Microsoft की सहायता से विकसित किया है। यह अंततः 2000 पाठ्यक्रमों और 80000 घंटे सीखने की मेजबानी करने में सक्षम है: स्कूल, स्नातक, स्नातकोत्तर, इंजीनियरिंग, कानून और अन्य व्यावसायिक पाठ्यक्रमों को कवर करना । इस मंच पर सभी पाठ्यक्रम

इंटरैक्टिव हैं, जो देश के सर्वश्रेष्ठ शिक्षकों द्वारा तैयार किए गए हैं और भारत में छात्रों के लिए मुफ्त उपलब्ध हैं।

स्वयम प्रभा: 32 शैक्षिक डीटीएच चैनल

SWAYAM PRABHA 32 DTH चैनलों का एक समूह है जो GSAT-15 उपग्रह का उपयोग करके 24X7 आधार पर उच्च गुणवत्ता वाले शैक्षिक कार्यक्रमों के प्रसारण के लिए समर्पित है। हर दिन, कम से कम (4) घंटों के लिए नई सामग्री होगी जो एक दिन में 5 बार दोहराई जाएगी, जिससे छात्रों को अपनी सुविधा के समय का चयन करने की अनुमति मिलेगी। चैनल BISAG, गांधीनगर से अपलिंक किए गए हैं। एनपीटीईएल, आईआईटी, यूजीसी, सीईसी, इग्नू, एनसीईआरटी और एनआईओएस द्वारा सामग्री प्रदान की जाती है। INFLIBNET सेंटर वेब पोर्टल का रखरखाव करता है।

TRADITIONAL TEACHING METHODS और समर्थन प्रणाली

पारंपरिक शिक्षा, जिसे बैक-टू-बेसिक्स, पारंपरिक शिक्षा या प्रथागत शिक्षा के रूप में भी जाना जाता है, लंबे समय से स्थापित रीति-रिवाजों को संदर्भित करता है जो समाज पारंपरिक रूप से स्कूलों में उपयोग किया जाता है। बैक-टू-बेसिक्स पारंपरिक शिक्षा पद्धति, जिसे 'चॉक एंड टॉक विधि' के रूप में भी जाना जाता है। पढ़ाने का यह पुराना तरीका सब कुछ याद और याद रखने की तकनीक के बारे में था ।

शिक्षण की पारंपरिक भूमिका शिक्षक पर सीखने की गतिविधि के आयोजक, सूचना के प्रदाता और ज्ञान के विशेषज्ञों के रूप में केंद्रित है। शिक्षक कक्षा में पढ़ाने के लिए बहुत अधिक जिम्मेदारी वहन करते हैं, यह सुनिश्चित करने के लिए कि वे जो कुछ भी सिखा रहे हैं वह छात्रों द्वारा समझा जाता है। शिक्षक वर्ग को नियंत्रित करने के लिए भी जिम्मेदार है जहां शिक्षक ब्लैकबोर्ड का उपयोग करना सिखाता है, अवधारणाओं को समझाता है, छात्रों को कॉपी करने के लिए कहता है और यह

सुनिश्चित करता है कि छात्र ध्यान दे रहे हैं शिक्षण की यह तकनीक एक तरह से जानकारी का पालन है जिसमें शिक्षक अक्सर लगातार बातचीत करते हैं घंटे या उससे अधिक की उम्मीद है कि जब वह एक प्रश्न पूछता है, तो छात्र उसी चीज को पुन: पेश करने में सक्षम होंगे जिसके बारे में वह बात कर रहा था । विषय के बारे में हर महत्वपूर्ण बात ब्लैकबोर्ड पर लिखी जाती है और छात्र ब्लैकबोर्ड से महत्वपूर्ण नोट्स बनाते हैं। व्याख्यान खत्म होने के बाद छात्र अपने नोट्स को संशोधित करते हैं और नोट्स को याद करने की कोशिश करते हैं। पाठ्यपुस्तकों, व्याख्यान और व्यक्तिगत लिखित असाइनमेंट के आधार पर निर्देश पारंपरिक शिक्षण का मुख्य उद्देश्य परीक्षा उत्तीर्ण करना है।

आधुनिक और आईसीटी आधारित शिक्षण

चला गया ब्लैकबोर्ड और चाक के दिन ... यह सब कक्षा में एलसीडी प्रोजेक्टर और इंटरैक्टिव व्हाइटबोर्ड द्वारा प्रतिस्थापित किया गया है। जब हम आधुनिक या आईसीटी आधारित शिक्षा प्रणाली के बारे में बात करते हैं तो इसमें शैक्षणिक संस्थानों में उच्च तकनीकी उपकरणों के पूर्ण उपयोग शामिल हैं।

शिक्षा में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) शिक्षा का वह तरीका है जो सूचना के वितरण का समर्थन, संवर्द्धन और अनुकूलन करने के लिए सूचना और संचार प्रौद्योगिकी का उपयोग करता है।

नीचे आधुनिक और आईसीटी आधारित शिक्षण विधियों पर आधारित कुछ प्रमुख शिक्षण तकनीकें हैं।

• फ़्लिप्ड क्लासरूम - यह छात्रों को उनकी सामान्य सीमाओं से परे जाने और शिक्षक को कक्षा-कक्ष में उनका वर्णन करने से पहले पाठ का पता लगाने की अनुमति देता है ।

डिजाइन सोच और रचनात्मक विचार - इसमें जिज्ञासा, विश्लेषणात्मक कौशल और रचनात्मकता बढ़ाने के लिए वास्तविक जीवन का मामला शामिल है।

माइंड मैप्स - सेल्फ लर्निंग टूल्स का उपयोग

Gamification - क्विज़ और शिकार विचारों का उपयोग करके नाटक के माध्यम से जानें मुफ्त ऑनलाइन शिक्षण उपकरण

आईसीटी आधारित शिक्षण विधियाँ - वर्चुअल रियलिटी, वर्चुअल लैब्स, ओपन एजुकेशनल रिसोर्स

ओ लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (एलएमएस) और बड़े पैमाने पर ओपन ऑनलाइन पाठ्यक्रम (एमओओसी)

मूल्यांकन तंत्र

किसी भी शिक्षा प्रणाली में मूल्यांकन एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। मूल्यांकन मूल रूप से शिक्षक द्वारा छात्र के बारे में निर्णय का मतलब है, लेकिन ये निर्णय वास्तव में, वास्तव में कठिन है । मूल्यांकन शिक्षण और सीखने की प्रक्रिया में एक अंतःक्रियात्मक गतिविधि है। आजकल बहुविकल्पीय प्रकार के प्रश्नों का उपयोग करके मूल्यांकन व्यापक प्रश्न से बेहतर है।

मूल्यांकन के सिद्धांत

शिक्षण-शिक्षण प्रक्रियाओं में छात्र मूल्यांकन अच्छी तरह से नियोजित, लक्ष्य उन्मुख और निरंतर होना चाहिए। कागज का एक टुकड़ा किसी छात्र की क्षमता का मूल्यांकन नहीं कर सकता है। इसलिए यह बेहतर है कि पूरे सेमेस्टर में मूल्यांकन कक्षा के अंदर किया जाना चाहिए। मूल्यांकन के संबंध में कुछ नियम निम्नलिखित हैं।

मूल्यांकन की प्रक्रिया को सभी छात्रों को ठीक से सूचित किया जाना चाहिए

मूल्यांकन निरंतर प्रक्रिया होनी चाहिए।

मूल्यांकन शिक्षार्थियों के प्रति संवेदनशील होना चाहिए और पक्षपाती नहीं होना चाहिए |

दिन के अंत में मूल्यांकन छात्र के लिए विश्वसनीय निर्णय होना चाहिए

मूल्यांकन पूरी प्रक्रिया में कार्रवाई है जो शिक्षकों को सीखने के उद्देश्यों के संदर्भ में मूल्यांकन रिकॉर्ड के आधार पर निर्णय लेने अनुमति देता है। मूल्यांकन के बिना मूल्यांकन का कोई उद्देश्य नहीं है। निम्नलिखित विभिन्न मूल्यांकन तकनीकें हैं।

1. लिखित परीक्षा

2. कक्षा की गतिविधियाँ

3. असाइनमेंट

4. परियोजना कार्य

5. प्रयोगशाला की गतिविधियाँ

6. सामाजिक गतिविधियाँ

आम तौर पर, मूल्यांकन के चार प्रकार होते हैं

1. मानदंड संदर्भित मूल्यांकनः

2. रूपात्मक मूल्यांकन

3. सामान्य संदर्भित मूल्यांकन

4. योगात्मक विकास

शिशु शिक्षा में चयनित आधारभूत प्रणाली

जैसा कि पहले ही ऊपर उल्लेख किया गया है, अधिकांश शैक्षणिक संस्थान अंक या प्रतिशत आधारित मूल्यांकन प्रणाली का पालन करते हैं जो छात्रों को उनकी पसंद के विषय या पाठ्यक्रम लेने के लिए प्रतिबंधित करते हैं। हमारी शैक्षिक प्रणाली लचीली होनी चाहिए यानी छात्र को अपने पाठ्यक्रम / रुचि के विषय का अध्ययन करने का विकल्प मिलना चाहिए। यह तभी संभव हो सकता है जब च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (CBCS) को पेश किया जा रहा है। CBCS छात्रों के लिए न केवल उनकी पसंद के विषय को जानने और तलाशने के लिए कई अवसर और रास्ते खोलती है, बल्कि इसके अलावा वे स्वयं को भी विकसित करती हैं। ये कोर्स आगे भी हो सकते हैं

ग्रेडिंग प्रणाली के माध्यम से मूल्यांकन किया जाता है, जिसे पुराने अंकन प्रणाली की तुलना में बेहतर माना जाता है। यह बेहतर है अगर हम पूरे भारत में एकसमान ग्रेडिंग प्रणाली को लागू करते हैं और उसका पालन करते हैं जो छात्रों को भारत के भीतर और पूरे देश में संस्थानों में स्थानांतरित करने में मदद करेगा।

MCQ

1. छात्रों का भावनात्मक समायोजन प्रभावी है-

(A) व्यक्तित्व निर्माण

(B) कक्षा - शिक्षण

(C) अनुशासन

(D). उपरोक्त सभी

उत्तर (D)

2. ब्लैक-बोर्ड को किस समूह / शिक्षण सहायक की श्रेणी में शामिल किया जा सकता है?

(A) ऑडियो-एड्स

(B) दृश्य एड्स

(C) ऑडियो-विजुअल एड्स

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: (B)

3. निम्नलिखित में से कौन शिक्षण कौशल से संबंधित है?

(A) ब्लैक-बोर्ड लेखन

(B) प्रश्नों को हल करना

(C) प्रश्न पूछना

(D) उपरोक्त सभी

उत्तर : (D)

4. कक्षा में प्रश्न पूछने वाले छात्र होने चाहिए-

(A) कक्षा के बाद शिक्षक से मिलने की सलाह दी

(B) कक्षा में चर्चा में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया

(C) प्रश्न पूछना जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया

(D) स्वतंत्र रूप से उत्तर खोजने के लिए प्रोत्साहित किया

उत्तर: (C)

5. निम्नलिखित में से कौन सा कथन शिक्षण की प्रकृति और उद्देश्यों को सर्वोत्तम रूप से वर्णित करता है?

MIS से चयन करके अपना उत्तर बताएं।

(a) शिक्षण और सीखना अभिन्न रूप से है

(b) शिक्षण और प्रशिक्षण में कोई अंतर नहीं है ।

(c) छात्रों में किसी प्रकार का परिवर्तन सुनिश्चित करने के लिए सभी शिक्षण की चिंता है।

(d) सभी अच्छे शिक्षण प्रकृति में औपचारिक हैं।

(e) एक शिक्षक एक वरिष्ठ व्यक्ति है।

(f) शिक्षण एक सामाजिक कार्य है जबकि सीखना एक व्यक्तिगत कार्य है।

कोड:

(1) (ए), (बी) और (डी)

(2) (बी), (सी) और (ई)

(3) (ए), (सी) और (एफ)

(4) (डी), (ई) और (एफ)

उत्तर : (3)

6. निम्नलिखित में से कौन सी सीखने की विशेषता शिक्षण की प्रभावशीलता से संबंधित है ?

(1) सीखने वाले का पूर्व अनुभव

(2) सीखने वाले के माता-पिता की शैक्षिक स्थिति

(3) सीखने वाले के सहकर्मी समूह

(4) पारिवारिक आकार जिससे सीखने वाला आता है।

उत्तर (1)

7. सेट के नीचे दिए गए दो सेटों में - मैं शिक्षण के तरीकों को इंगित करता हूं जबकि सेट - II सफलता / प्रभावशीलता के लिए बुनियादी आवश्यकताएं प्रदान करता है। दो सेटों का मिलान करें और कोड से चुनकर अपने उत्तर का संकेत दें:

सेट - 1

(शिक्षण का तरीका)

(a) व्याख्यान

(b) समूहों में चर्चा

(c) बुद्धिशीलता

(d) प्रोग्राम्ड इंस्ट्रक्शनल

सेट - II

(सफलता / प्रभावशीलता के लिए बुनियादी आवश्यकताएं)

(i) उपलब्ध कराई गई प्रतिक्रिया के साथ छोटे कदम प्रस्तुति

(ii) बड़ी संख्या में विचारों का उत्पादन

(iii) एक आकर्षक भाषा में सामग्री वितरण

(iv) शिक्षण-सहायक साधनों का उपयोग

प्रतिभागियों के बीच प्रक्रिया (v) थीम आधारित सहभागिता

कोड:

(abcd)

(1) (i) (ii) (iii) (iv)

(2) (ii) (iii) (iv) (v)

(3) (iii) (v) (ii) (i)

(4) (iv) (ii) (i) (iii)

उत्तर : (3)

8. अधिनायकवादी स्तर पर शिक्षण .....

(A) शिक्षक केंद्रित

(B) बाल केंद्रित

(C) हेडमास्टर केंद्रित

(D) अनुभव आधारित

उत्तर : (A) शिक्षक केंद्रित

9. किसने शिक्षक प्रभावशीलता को बढ़ाने के लिए शिक्षा में सहभागिता विश्लेषण श्रेणी प्रणाली विकसित की

(A) फूलवाला

B) रेयॉन

(C) एमिडॉन और साइमन

(D) रिचर्ड ओवर

उत्तर : (A) फ़्लेंडर

10. नैतिक विकास के महत्वपूर्ण सिद्धांत में से एक द्वारा प्रस्तावित किया गया है-

(A) लारेंस कोहलबर्ग

(B) एरिक Fromm

(C) डैनियल कोलमैन

(D) बेंजामिन ब्लूम

उत्तर : (A) लारेंस कोहलबर्ग

11. चरित्र का विकास किसके द्वारा किया जाता है ?

(A) इच्छा-शक्ति

(B) आचरण और व्यवहार

(C) नैतिकता

(D). उपरोक्त सभी

उत्तर : (D) उपरोक्त सभी

12. निम्नलिखित में से कौन सा शिक्षण अधिगम का स्तर नहीं है ?

(A) विभेदन स्तर

(B) मेमोरी स्तर

(C) चिंतनशील स्तर

(D) के स्तर को समझना

उत्तर : (A) विभेदन स्तर

13. NUEPA का संबंध मुख्य रूप से है -

(A) शैक्षिक पर्यवेक्षण

(B) शैक्षिक एकता

(C) शैक्षिक योजना

(D) शैक्षिक मूल्यांकन

उत्तर: (C) शैक्षिक योजना

14. यशपाल समिति रिपोर्ट (1993) का नाम है-

(A) आई.सी.टी. शिक्षक शिक्षा में

(B) बर्डन के बिना सीखना

(C) ब्रॉड-कास्टिंग के माध्यम से सीखना

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर : (B) बर्डन के बिना सीखना

15. मनोविश्लेषण का जनक है-

(A) एरिक एच । एरिकसन

(B) इयान पियागेट

(C) जेरोर्न एस। ब्रूनर

(D) सिगमंड फ्रायड

उत्तर : (D) सिगमंड फ्रायड

16. शिक्षाशास्त्र में कंप्यूटर का प्रयोग किया जाता है-

(A) सीखने वाले को प्रेरित करने के लिए

(B) प्रतिक्रिया प्रदान करने के लिए

(C) सीखने वाले के साथ बातचीत करने के लिए

(D) उपरोक्त सभी के लिए

उत्तर : (D) उपरोक्त सभी के लिए

17. कंप्यूटर का डाई ब्रेन निम्नलिखित में से कौन सा है ?

(A) कार्यक्रम

(B) केंद्रीय प्रसंस्करण इकाई

(C) स्मृति

(D) हार्ड डिस्क

उत्तर: (B) सेंट्रल प्रोसेसिंग यूनिट

18. डंडा मारना - बच्चे को बिगाड़ देना ।

यह धारणा उस प्रकार के अनुशासन से संबंधित है जिसकी वकालत की गई है-

(A) प्रकृतिवादी दर्शन द्वारा

(B) व्यावहारिक दर्शन द्वारा

(C) विक्टोरियन काल में

(D) डेमोक्रेटिक युग

उत्तर: (C) विक्टोरियन युग में

19. स्कूल कॉम्प्लेक्स की अवधारणा को सबसे पहले निष्पादित किया गया था-

(A) उत्तर प्रदेश

(B) मध्य प्रदेश

(C) बिहार

(D) राजस्थान

उत्तर: (D) राजस्थान

20. शिक्षण के संज्ञानात्मक सिद्धांत का प्रस्तावक है-

(A) एन. एल. गेज

(B) शिव कुमार मित्रा

(C) बी. एफ. स्किनर

(D) मैकडॉनल्ड्स

उत्तर : (A) एन. एल.

21. निर्देश माध्यम अनुपस्थिति को प्रभावित करता है और कक्षा शिक्षण से बच जाता है-

(A) सहमत

(B) भारतीय

(C) असहमति

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर : (A) सहमत

22. शिक्षण कौशल प्रशिक्षण का निर्धारक है-

(A) घटक

(B) पुपिल-शिक्षक

(C) पर्यवेक्षक

(D) हेडमास्टर

उत्तर: (A) घटक

23. एक अच्छे संचार के लिए

(A) विचार की स्पष्टता

(B) नाटकीय प्रस्तुति

(C) हल्के स्वर में बोलना आवश्यक है।

(D) विराम के बिना बोलना

उत्तर : (A) विचारों की स्पष्टता

24. निम्नलिखित में से कौन शैक्षिक योजना के लिए एक दृष्टिकोण है? |

(A) मैन पावर दृष्टिकोण

(B) सामाजिक मांग दृष्टिकोण

(C) दोनों (ए) और (बी)

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर : (C) दोनों (ए) और (बी)

25. संस्थागत नियोजन पर आधारित होना चाहिए-

(A) उद्देश्य और जरूरत है

(B) समय-सारणी

(C) प्रशासन

(D) आवश्यकता

उत्तर: (A) उद्देश्य और जरूरत

26. नीचे दी गई मूल्यांकन प्रक्रियाओं की सूची से, जिन्हें 'प्रारंभिक मूल्यांकन' कहा जाएगा। कोड से चुनकर अपने उत्तर को इंगित करें:

(a) पाठ्यक्रम के काम में लेन-देन करने के बाद छात्रों को एक शिक्षक पुरस्कार ग्रेड देता है।

(b) कक्षा में छात्रों के साथ बातचीत के दौरान, शिक्षक सुधारात्मक प्रदान करता है प्रतिपुष्टि ।

(c) शिक्षक एक इकाई परीक्षा में छात्रों को अंक देता है।

(d) शिक्षक कक्षा में ही छात्रों के संदेह को स्पष्ट करता है।

(e) छात्रों के समग्र प्रदर्शन की सूचना हर तीन महीने में माता-पिता को दी जाती है मध्यान्तर।

(f) शिक्षक द्वारा शिक्षार्थी की प्रेरणा को प्रश्न-उत्तर सत्र के माध्यम से उठाया जाता है।

कोड:

(1) (ए), (बी) और (सी)

(2) (बी), (सी) और (डी)

(3) (ए), (सी) और (ई)

(4) (बी), (डी) और (एफ)

उत्तर - 4)

27. अभिकथन (ए): सभी शिक्षण को सीखने को सुनिश्चित करना चाहिए।

कारण (R) : शिक्षण से सभी सीखने के परिणाम |

निम्नलिखित कोड से सही उत्तर चुनें:

(1) दोनों (ए) और (आर) सत्य हैं, और (आर) सही विवरण है (ए) ।

(2) दोनों (ए) और (आर) सच हैं, लेकिन (आर) (ए) का सही विवरण नहीं है।

(3) (ए) सही है, लेकिन (आर) गलत है।

(4) (ए) गलत है, लेकिन (आर) सच है।

उत्तर: (3)

28. शिक्षक का व्यवहार होना चाहिए-

(A) प्रशासनिक

(B) शिक्षाप्रद

(C) आदर्शवादी

(D) निर्देश

उत्तर: (C) आदर्शवादी

29. सूचना राजमार्ग या जाल है-

(A) एक कंप्यूटर

(B) इंटरनेट

(C) इंट्रानेट

(D) की-बोर्ड

उत्तर: (B) इंटरनेट

30. इनसेट -1 (बी) में शुरू किया गया है-

(A) 30 अप्रैल, 1983

(B) 30 अगस्त, 1983

(C) 30 दिसंबर, 1983

(D) 30 जनवरी, 1984

उत्तर: (B) 30 अगस्त, 1983

31. कंप्यूटर भाषा किस पर आधारित है-

(A) संख्या प्रणाली

(B) प्रतीक प्रणाली

(C) श्रृंखला प्रणाली

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: (A) संख्या प्रणाली

32. शैक्षिक कंप्यूटर का मुख्य कार्य है- (A) उत्तरों को स्कोर करना

(B) जानकारी संरक्षित करें

(C) डेटा का विश्लेषण

(D). उपरोक्त सभी

उत्तर:- (D)

33. पहले यूनेस्को द्वारा निर्देशित टेलीविजन कार्यक्रम का उपयोग किया गया था

(A) 1926

(B) 1959

(C) 1961

(D) 1965

उत्तर : (D) 1965

34. निम्नलिखित में से कौन सी अनुदेशात्मक प्रक्रिया मुख्य घटक है?

(A) सिनैप्टिक शिक्षण मॉडल

(B) बुनियादी शिक्षण मॉडल

(C) आगमनात्मक मॉडल

(D) सामाजिक- उत्तेजना

उत्तर: (B) बुनियादी शिक्षण मॉडल

35. कंप्यूटर आधारित शिक्षण मॉडल किसके द्वारा विकसित किया गया है?

(A) गिल्बर्ट (1962)

(B) स्टोलुरो और डेविस (1965)

(C) रॉबर्ट गगने (1965)

(D) मेकनर (1965)

उत्तर: (B) स्टोलुरो और डेविस (1965)

36. निम्नलिखित में से कौन सी अपेक्षा छात्रों को समूह सीखने से है ?

(A) समूह से सराहना पाने के लिए

(B) कार्य को समान रूप से वितरित करना

(C) व्यक्तिगत दृष्टिकोण को अनदेखा करना

(D) समूह के प्रति पृथक छात्र को आकर्षित करना

उत्तरः (D) समूह के प्रति पृथक छात्र को आकर्षित करने के लिए

37. किसी छात्र के अवांछनीय व्यवहार को संशोधित करने के लिए सबसे प्रभावी तरीका है-

(A) छात्र को दंडित करने के लिए

(B) माता-पिता के संज्ञान में लाना

(C) अवांछनीय व्यवहार के कारणों का पता लगाने और उपचार प्रदान करने के लिए

(D) इसकी उपेक्षा करना

उत्तर : (C)

38. 1961 में माइक्रो-शिक्षण प्रणाली किस विश्वविद्यालय में शुरू हुई ?

(A) स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय

(B) ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय

(C) दिल्ली विश्वविद्यालय

(D) एम. एस. यूनिवर्सिटी बड़ौदा (भारत)

उत्तरः (ए) स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय

39. C.A.I का सही अर्थ है । है-

(A) सहायक प्रशिक्षक के लक्षण

(B) कंप्यूटर असिस्टेड इंस्ट्रक्शन

(C) सामुदायिक सहायता निर्देश

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: (B) कंप्यूटर असिस्टेड इंस्ट्रक्शन

40. "मनुष्य जन्म से मुक्त है, लेकिन हर जहाँ वह जंजीरों में है / 'यह कथन उसके द्वारा दिया गया है-

(A) अब्राहम मास्लो

(B) जीन जैक्स रूसो

(C) जॉन डेवी

(D) डब्ल्यू | I-II Kilpatrick

उत्तर : (B) जीन जैक्स रूसो

41. लिखित संचार रणनीति में शामिल हैं-

(A) एल्गोरिदम

(B) निर्णय तालिका

(C) दोनों (ए) और (बी)

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर : (C) दोनों (ए) और (बी)

42. स्कूल प्रबंधन की मुख्य जिम्मेदारी है -

(A) प्रधानाचार्य

(B) शिक्षक

(C) प्रबंधक

(D). उपरोक्त सभी

उत्तर: (A) प्रिंसिपल

43. स्कूल अनुशासन का प्रमुख उद्देश्य है-

(A) कर्मचारियों और छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करना

(B) शिक्षण के लिए अनुकूल माहौल बनाना

(C) दोनों (ए) और (बी)

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर : (C) दोनों (ए) और (बी)

44. प्राथमिक स्तर पर शिक्षक- सिखाया अनुपात 1: 39- था ।

(A) अखिल भारतीय के छठे शैक्षिक सर्वेक्षण के अनुसार

(B) समस्त भारत के पाँचवे शैक्षिक सर्वेक्षण के अनुसार

(C) समस्त भारत के चौथे शैक्षिक सर्वेक्षण के अनुसार

(D) समस्त भारत के दूसरे शैक्षिक सर्वेक्षण के अनुसार

उत्तर : (A)

45. कंप्यूटर प्रोग्राम में एक दोष जो इसे सही तरीके से काम करने से रोकता है, उसे निम्न के रूप में जाना जाता है-

(A) दोष

(B) त्रुटि

(C) सर्वेक्षण

(D) वायरस

उत्तर: (A) बग

46. भाषा का व्यावहारिक ज्ञान किस पर सीखा जाता है-

(A) विद्यालय

(B) भाषा प्रयोगशाला

(C) भाषा शिक्षण

(D) भाषा निर्देश

उत्तर: (B) भाषा प्रयोगशाला

47. स्कूल छोड़ने का मतलब है-

(A) लापरवाही से स्कूल आना

(B) स्कूल को हमेशा के लिए छोड़ देना

(C) वर्ग से तुच्छ खेलना

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: (B) स्कूल को हमेशा के लिए छोड़ने के लिए

48. निम्नलिखित में से कौन एक अच्छे टाइम टेबल का सिद्धांत नहीं है?

(A) लचीलापन

(B) निर्दयी गुरु

(C) विविधता

(D) प्रयासों का समन्वय

उत्तर: (B)

49. अनुपस्थिति और स्कूल से भागने का कारण है-

(A) पाठ्यक्रम में रुचि की कमी

(B) शिक्षण की खराब विधि

(C) अप्रभावी शिक्षक

(D) उपरोक्त सभी

उत्तर: (D) उपरोक्त सभी

50. मानव संसाधन विकास मंत्रालय किस पर स्थापित किया गया था?

(A) 26 अक्टूबर, 1985

(B) 16 सितंबर, 1985 को

(C) 26 सितंबर, 1985

(D) 10 सितंबर, 1986

उत्तर: (C) 26 सितंबर, 1985

51. निर्णय लेने की गुंजाइश है-

(A) प्रबंधन

(B) संगठन

(C) प्रशासन

(D) पर्यवेक्षण

उत्तर: (C) प्रशासन

52. व्यक्तित्व का कारक है-

(A) डक्टलेस ग्लैंड्स

(B) पारिवारिक पृष्ठभूमि

(C) स्कूल

(D) उपरोक्त सभी

उत्तर: (D) उपरोक्त सभी

53. शिक्षक की डायरी में निम्नलिखित में से किस पहलू पर चर्चा की गई है?

(A) क्लास टाइम टेबल

(B) शिक्षण सामग्री

(C) दोनों (ए) और (बी) (D) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर : (C) दोनों (ए) और (बी)

54. 10 + 2 + 3 शिक्षा प्रणाली की सिफारिश किसके द्वारा की गई थी?

(A) कोठारी आयोग

(B) मुदलियार आयोग

(C) राधाकृष्णन आयोग

(D) शिक्षा पर राष्ट्रीय नीति (1986)

उत्तर : (A) कोठारी आयोग

55 .....। एक व्यक्ति या जानवर के भीतर राज्यों को संदर्भित करता है जो किसी लक्ष्य के प्रति व्यवहार को बढ़ाता है।

(A) क्षमता

(B) संबद्धता

(C) प्रेरणा

(D) स्व-बोध

उत्तर: (C) प्रेरणा

56. मनोवैज्ञानिक जो सीखने की समस्याओं का निदान करते हैं और उन्हें मापने का प्रयास करते हैं, उन्हें मनोवैज्ञानिक कहा जाता है।

(A) सामाजिक

(B) समुदाय

(C) स्कूल

(D) क्लिनिकल

उत्तरः (C) स्कूल

57. औसत संभावित बुद्धिमत्ता वाला लेकिन उपजाऊ वातावरण प्राप्त करेगा -

(A) एक बेहतर जीवन (B) एक औसत जीवन

(C) जीवन में कुछ भी नहीं

(D) जीवन में सब कुछ

उत्तर : (A) एक बेहतर जीवन

58. भाई-बहन, माता-पिता और शिक्षक के महत्वपूर्ण स्रोत हैं। बच्चों के लिए।

(A) प्रेरणा

(B) जानकारी

(C) राय

(D) दृष्टिकोण

उत्तर: (A) प्रेरणा

59. ..... की एक अच्छी समझ हमें अपने बारे में बेहतर तरीके से बताती है।

(A) शिक्षा

(B) रंग

(C) सामाजिक धारणा

(D) बाकी कोई नहीं

उत्तर : (A) शिक्षा

60. मनोवैज्ञानिक प्रकृति के अच्छे परीक्षण निम्नलिखित विशेषताएं हैं-

(A) विश्वसनीयता

(B) सस्ता

(C) अनुमान लगाने की शक्ति

(D) लर्निंग को सीखें

उत्तर: (A) विश्वसनीयता

61. मानसिक स्वास्थ्य है-

(A) कुल व्यक्तित्व का सामंजस्यपूर्ण कार्य

(B) कुप्रबंधन के लक्षण

(C) भयानक उत्साह

(D) गुस्सा-नखरे फेंकना

उत्तर : (A) कुल व्यक्तित्व का सामंजस्यपूर्ण कार्य

62. ..... के दौरान बच्चों को स्कूल में नकल करने की समस्या का सामना करना पड़ता है।

(A) टॉडलरहुड

(B) प्रो-सामाजिक अवधि

(C) पूर्वस्कूली अवधि

(D) मध्य बचपन

उत्तर : (C) पूर्वस्कूली अवधि

63. याद करने का सबसे अच्छा तरीका है -

(A) लंबे समय तक अध्ययन

(B) अवधारणा को समझने के लिए

(C) जोर से पढ़ना

(D) अवधारणा लिखने के लिए

उत्तर: (B) अवधारणा को समझने के लिए

64. छात्र उस शिक्षक को पसंद करते हैं, जो

(A) आकर्षक व्यक्तित्व है

(B) उसकी जाति से संबंधित है

(C) पुरस्कार माल उदारतापूर्वक काम करते हैं

(D) उसे अपने विषय का बहुत अच्छा ज्ञान है

उत्तरः (D) को अपने विषय का बहुत अच्छा ज्ञान है

65. प्रौद्योगिकी के विकास के साथ, भविष्य में शिक्षक की भूमिका होगी-

(A) जानकारी प्रदान करने के लिए

(B) नई पाठ्य-पुस्तकें विकसित करना

(C) छात्रों का मार्गदर्शन करने के लिए

(D) शिक्षण में इंटरनेट का उपयोग करना

उत्तर : (C) छात्रों का मार्गदर्शन करने के लिए

66. छात्रों को अच्छे नागरिक के रूप में तैयार करने के लिए, एक शिक्षक चाहिए-

(A) सख्त अनुशासन बनाए रखें

(B) अच्छा नेतृत्व प्रदान करना

(C) अच्छे संवाहक बनो

(D) अच्छा सामान्य ज्ञान है

उत्तरः (B) अच्छा नेतृत्व प्रदान करें

67. छात्रों को होम-वर्क दिया जाना चाहिए -

(A) घर पर अध्ययन

(B) शिक्षकों द्वारा उनकी प्रगति की जाँच करें

(C) उन्हें व्यस्त रखो

(D) स्वाध्याय की आदत विकसित करना

उत्तर: (D) स्वाध्याय की आदत विकसित करें

68. स्कूल के विकास के लिए यह आवश्यक है-

(A) प्रिंसिपल और शिक्षक

(B) छात्र

(C) अच्छी इमारत

(D) अन्य सुविधाएं

उत्तर: (B) छात्र

69. यदि कोई छात्र कक्षा में देर से आता है, तो आप -

(A) उसकी उपेक्षा करेगा

(B) उसे कक्षा में बैठने की अनुमति नहीं देगा

(C) उसे दण्ड देगा

(D) क्या वह उसे चुप बैठने देगा

उत्तर: (D) उसे चुप बैठने की अनुमति

70. राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उद्देश्य है-

(A) प्राथमिक शिक्षा का सार्वभौमिकरण

(B) शिक्षा का व्यावसायिककरण

(C) शिक्षा की समीक्षा करना

(D) सभी को शिक्षा का समान अवसर देना

उत्तर: (C) शिक्षा की समीक्षा करने के लिए

71. एक शिक्षक सबसे अधिक सीखता है -

(A) उनके छात्रों

(B) उनके सहयोगियों

(C) उनके प्रिंसिपल

(D) प्रशिक्षण के दौरान उनके अनुभव

उत्तर : (D) प्रशिक्षण के दौरान उनके अनुभव

72. एक कक्षा में पहले दिन आप होंगे-

(A) पहले अध्याय से पढ़ाना शुरू करें

(B) छात्रों का परिचय लें और अपना परिचय दें

(C) पाठ्यक्रम की व्याख्या कीजिए

(D) स्कूल के नियमों और अपने शिक्षण के तरीके को समझाइए

उत्तर: (B) छात्रों का परिचय लें और अपना परिचय दें

73. शिक्षा का मानक किसके द्वारा उठाया जा सकता है-

(A) अच्छे शिक्षकों की नियुक्ति

(B) स्कूलों में भौतिक सुविधाएं प्रदान करना

(C) सुधार परीक्षा प्रणाली

(D) स्कूलों में कंप्यूटर उपलब्ध कराना

उत्तर: (A) अच्छे शिक्षक नियुक्त कर

74. नवोदय विद्यालय की स्थापना का उद्देश्य है-

(A) ग्रामीण क्षेत्रों में Sh सर्व शिक्षा अभियान को पूरा करना

(B) ग्रामीण क्षेत्रों में अच्छी शिक्षा प्रदान करना

(C) ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा की बर्बादी की जाँच करें

(D) ग्रामीण क्षेत्रों में स्कूलों की संख्या बढ़ाना

उत्तर : (B) ग्रामीण क्षेत्रों में अच्छी शिक्षा प्रदान करने के लिए

75. शिक्षण के दौरान, एक शिक्षक उदाहरण देता है-

(A) छात्र का ध्यान आकर्षित करने के लिए

(B) पाठ को रोचक बनाना

(C) पाठ को समझाने के लिए

(D) लंबे समय तक पाठ जारी रखना

उत्तर: (C) पाठ को समझाने के लिए

76. यदि छात्र आपके शिक्षण में रुचि नहीं ले रहे हैं, तो आप होंगे-

(A) उनकी उपेक्षा करें

(B) कक्षा छोड़ दो

(C) उन्हें ध्यान देने के लिए कहें

(D) शिक्षण विधि बदलें

उत्तर : (D) शिक्षण विधि बदलें

77. आपके अनुसार, शिक्षा का उद्देश्य होना चाहिए-

(A) ज्ञान प्रदान करने के लिए

(B) व्यक्तित्व का विकास करना

(C) अच्छे नागरिक बनाना

(D) समाज में सुधार लाना

उत्तर: (B) व्यक्तित्व विकसित करने के लिए

78. निम्नलिखित में से कौन सा कथन शिक्षण और सीखने की प्रकृति और उद्देश्य का सबसे अच्छा प्रतिनिधित्व करता है?

(a) शिक्षण बिक्री के समान है और सीखना खरीदना जैसा है ।

(b) शिक्षण एक सामाजिक कार्य है जबकि सीखना एक व्यक्तिगत कार्य है ।

(c) शिक्षण से तात्पर्य शिक्षण से है, जबकि सीखना शिक्षण से नहीं है ।

(d) शिक्षण एक प्रकार का ज्ञान है, जबकि सीखना इसे प्राप्त करने जैसा है।

(e) शिक्षण एक अंतःक्रिया है और प्रकृति में त्रिगुणात्मक है, जबकि सीखना एक विषय क्षेत्र में एक सक्रिय जुड़ाव है।

कोड:

(1) (ए), (डी) और (ई)

(2) (बी), (सी) और (ई)

(3) (ए), (बी) और (सी)

(4) (ए), (बी) और (डी)

उत्तर 1)

79. नीचे दी गई सूची से शिक्षार्थी विशेषताओं की पहचान करें जो शिक्षण प्रणाली को प्रभावी बनाने में मदद करेगी। अपना उत्तर इंगित करने के लिए सही कोड चुनें।

(a) शिक्षार्थी का पूर्व अनुभव

(b) शिक्षार्थी के वंश का

(c) शिक्षार्थी की योग्यता

(d) शिक्षार्थी के विकास की अवस्था

(e) शिक्षार्थी के भोजन की आदतें और शौक

(f) शिक्षार्थी की धार्मिक संबद्धता

कोड:

(1) (ए), (सी) और (डी)

(2) (डी), (ई) और (एफ)

(3) (ए), (डी) और (ई)

(4) (बी), (सी) और (एफ)

उत्तर 1)

80. अभिकथन (ए): सभी शिक्षण का अर्थ है सीखना ।

कारण (R): सीखने के लिए उपयोगी होना शिक्षण से लिया जाना चाहिए। निम्नलिखित में से सही उत्तर चुनें:

(1) दोनों (ए) और (आर) सत्य हैं और (आर) सही व्याख्या है (ए) ।

(2) दोनों (ए) और (आर) सच हैं लेकिन (आर) सही विवरण नहीं है (ए) ।

(3) (ए) सही है, लेकिन (आर) गलत है।

(4) (ए) गलत है, लेकिन (आर) सच है।

उत्तर 1)

81. योगात्मक परीक्षणों के आधार पर, एक शिक्षक अपने छात्रों से व्यवहार में स्पष्ट उनकी जीवन शैली के प्रदर्शन के बारे में व्याख्या कर रहा है। यह कहा जाएगा:

(1) औपचारिक परीक्षण

(2) सतत और व्यापक मूल्यांकन

(3) सामान

| सामान्य - संदर्भित परीक्षण

(4) मानदंड - संदर्भित परीक्षण

उत्तर - 4)

82. प्रभावी शिक्षण में निम्नलिखित में से कौन सा एक महत्वपूर्ण व्यवहार है ?

(1) छात्र के विचारों और योगदान का उपयोग करना

(2) ढाँचा बनाना

(3) निर्देशात्मक किस्म

(4) प्रश्न करना

उत्तर : (3)

83. निम्नलिखित में से कौन सा कथन किसके संबंध में स्वीकार्य प्रस्तावों का प्रतिनिधित्व करता है शिक्षण-शिक्षण संबंध? अपना उत्तर इंगित करने के लिए सही कोड चुनें।

(i) जब छात्र किसी परीक्षा में असफल होते हैं, तो वह शिक्षक ही होता है जो असफल होता है।

(ii) प्रत्येक शिक्षण को सीखने को सुनिश्चित करना चाहिए।

(iii) शिक्षा ग्रहण किए बिना शिक्षण हो सकता है।

(iv) शिक्षण के बिना कोई सीख नहीं हो सकती।

(v) एक शिक्षक सिखाता है लेकिन सीखता भी है।

(vi) वास्तविक शिक्षा का अर्थ है रट सीखने ।

कोड:

(1) (ii), (iii), (iv) और (v)

(2) (i), (ii), (iii) और (v)

(3) (iii), (iv), (v) और (vi)

(4) (i), (ii), (v) और (vi)

उत्तर: (2)

84. अभिकथन (A): सीखना एक आजीवन प्रक्रिया है ।

कारण (R): सीखने के लिए उपयोगी होना जीवन प्रक्रियाओं से जुड़ा होना चाहिए।

निम्नलिखित कोड से सही उत्तर चुनें:

(1) दोनों (ए) और (आर) सत्य हैं और (आर) सही व्याख्या है (ए)।

(2) दोनों (ए) और (आर) सच हैं, लेकिन (आर) (ए) का सही विवरण नहीं है।

(3) (ए) सही है, लेकिन (आर) गलत है।

(4) (ए) गलत है, लेकिन (आर) सच है ।

उत्तर : (2)

85. शिक्षण की प्रभावशीलता को इसके संदर्भ में आंका जाना चाहिए

(1) कोर्स कवरेज

(2) छात्रों की रुचि

(3) छात्रों का सीखना परिणाम

(4) कक्षा में शिक्षण सहायक सामग्री का उपयोग

उत्तर : (3)

86. किस शिक्षण पद्धति में शिक्षार्थी की भागीदारी को इष्टतम और सक्रिय बनाया जाता है?

(1) चर्चा विधि

(2) बज़ सत्र विधि

(3) विचार-मंथन सत्र विधि

(4) परियोजना विधि

उत्तर 1)

87. शिक्षण प्रभावशीलता को प्रभावित करने वाले सबसे शक्तिशाली कारकों में से एक से संबंधित है

(1) देश की सामाजिक व्यवस्था

(2) समाज की आर्थिक स्थिति

(3) राजनीतिक व्यवस्था को रोकना

(4) शैक्षिक प्रणाली

उत्तर - 4)

88. जोर (ए): औपचारिक मूल्यांकन सीखने की गति को तेज करता है।

कारण (R): योगात्मक मूल्यांकन के विरुद्ध, प्रारंभिक मूल्यांकन अत्यधिक विश्वसनीय है।

निम्नलिखित कोड से सही उत्तर चुनें:

(1) दोनों (ए) और (आर) सत्य हैं और (आर) सही व्याख्या है (ए)।

(2) दोनों (ए) और (आर) सच हैं, लेकिन (आर) (ए) का सही विवरण नहीं है।

(3) (ए) सही है, लेकिन (आर) गलत है।

(4) (ए) गलत है, लेकिन (आर) सच है ।

उत्तर : (3)

89. मूल्य शिक्षा प्रदान करने का सबसे अच्छा तरीका है

(A) शास्त्र ग्रंथों पर चर्चा

(B) मूल्यों पर व्याख्यान / प्रवचन

(C) मूल्यों पर संगोष्ठी / संगोष्ठी

(D) मूल्यों पर सलाह / चिंतनशील स

उत्तर: (B)

90. एक कॉलेज स्तर के सहायक प्रोफेसर ने विश्लेषण और संश्लेषण के कौशल पर केंद्रित छात्रों के संज्ञानात्मक आयामों को विकसित करने के इरादे से उनके व्याख्यान की योजना बनाई है। नीचे दिए गए आइटम के दो सेट हैं

सेट - मैं संज्ञानात्मक इंटरचेंज और सेट - I के स्तरों से मिलकर उन्हें बढ़ावा देने के लिए बुनियादी आवश्यकताओं को शामिल करता हूं। दो सेटों का मिलान करें और कोड से सही विकल्प चुनकर अपने उत्तर का संकेत दें:

सेट

-1

(संज्ञानात्मक के स्तर

ए। मेमोरी स्तर

सेट - II

(इंटरचेंज को बढ़ावा देने के लिए बुनियादी आवश्यकताएं) संज्ञानात्मक इंटरचेंज)

i. एक बिंदु के भेदभावपूर्ण उदाहरणों और गैर- उदाहरणों के लिए अवसर देना ।

ख। समझ स्तर

सी। चिंतनशील स्तर

ii. प्रस्तुतियों के दौरान किए गए महत्वपूर्ण बिंदुओं को रिकॉर्ड करना ।

ii. छात्रों से विभिन्न सूचनाओं पर चर्चा करने के लिए कहना ।

iv. आलोचनात्मक रूप से बनाए जाने और चर्चा किए जाने वाले बिंदुओं का विश्लेषण करना।

कोड:

abc

(A) ii iv i

(B) iii iv ii

(C) ii i iv

(D) i ii iii

उत्तर: (C)

91. मूल्यांकन प्रणाली के संबंध में दूसरे सेट के साथ पहले सेट की वस्तुओं का मिलान करें। सही कोड चुनें:

सेट - 1

सेट - II

a) औपचारिक मूल्यांकन i) नियमितता के साथ संज्ञानात्मक और सह-संज्ञानात्मक पहलुओं का मूल्यांकन

b) योगात्मक मूल्यांकन

ii) एक समूह और निश्चित के आधार पर टेस्ट और उनकी व्याख्या

c) सतत और व्यापक

मापदंड

iii) अंतिम सीखने के परिणाम का मूल्यांकन करना

d) सामान्य और मानदंड संदर्भित iv) क्विज़ और चर्चा परीक्षण

Pr

a b c d

(A) iv iii I ii

(B) i ii iii iv

(C) iii iv ii

(D) i ili iv ii

उत्तर : (A)

92. उस विकल्प का चयन करें जिसमें शिक्षण की प्रभावशीलता में योगदान करने वाले सकारात्मक कारक हैं:

कारकों की सूची:

(a) विषय का शिक्षक का ज्ञान

(b) शिक्षक की सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि

(c) शिक्षक का संचार कौशल ।

(d) छात्रों को खुश करने के लिए शिक्षक की क्षमता

(e) छात्रों के साथ शिक्षक का व्यक्तिगत संपर्क

(f) कक्षा के लेन-देन के प्रबंधन और निगरानी में शिक्षक की क्षमता।

कोड:

(A) (बी), (सी) और (डी)

(B) (सी), (डी) और (एफ)

(C) (बी), (डी) और (ई)

(D) (ए), (सी) और (एफ)

उत्तर : (D)

93. शिक्षण सहायता का उपयोग के आधार पर उचित है

(A) क्लास रूम में छात्र का ध्यान आकर्षित करना ।

(B) कक्षा में अनुशासनहीनता की समस्याओं को कम करना ।

(C) छात्रों के सीखने के परिणामों का अनुकूलन।

(D) सीखने के कार्यों में छात्रों की प्रभावी सहभागिता ।

उत्तर- (B)

94. जोर (ए): उच्च शिक्षा का उद्देश्य छात्रों के बीच महत्वपूर्ण और रचनात्मक सोच क्षमताओं को बढ़ावा देना है।

कारण (R): इन क्षमताओं से नौकरी का स्थान सुनिश्चित होता है।

निम्नलिखित कोड से सही उत्तर चुनें:

(A) दोनों (ए) और (आर) सही हैं और (आर) सही विवरण है (ए)।

(B) दोनों (ए) और (आर) सच हैं लेकिन (आर) ए (ए) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

(C) (ए) सच है और (आर) गलत है।

(D) (A) गलत है और (R) सत्य है ।

उत्तर: (C)

95. शिक्षक के रूप में, कक्षा में अपनी प्रभावी उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए सबसे अच्छा विकल्प चुनें।

(A) सहकर्मी आदेश का उपयोग

(B) आक्रामक बयान देना

(C) अच्छी तरह से स्थापित आसन को अपनाना

(D) अधिनायकवादी होना

उत्तर: (C)

96. कल्पना कीजिए कि आप एक शैक्षिक संस्थान में काम कर रहे हैं जहाँ लोग समान स्थिति के हैं। संचार का कौन सा तरीका सबसे उपयुक्त है और सामान्य रूप से इस तरह के संदर्भ में नियोजित किया गया है?

(A) क्षैतिज संचार

(B) कार्यक्षेत्र संचार

(C) कॉर्पोरेट संचार

(D) क्रॉस कम्युनिकेशन

उत्तर : (A)

97. एक कक्षा में छात्रों को संबोधित करते समय एक शिक्षक को उस महत्वपूर्ण तत्व को पहचानना है जिसका संज्ञान लेना है।

(A) निकटता से बचाव

(B) आवाज मॉडुलन

(C) दोहराव ठहराव

(D) निश्चित मुद्रा

उत्तर: (B)

98. शैक्षणिक संस्थानों में आने वाले छात्रों के लिए अधिक से अधिक विकलांगों की मांग को पूरा करना

(A) परिवार

(B) सोसायटी

(C) शिक्षक

(D) राज्य

उत्तर: (C)

99. सतत और व्यापक मूल्यांकन की विशेषताएं क्या हैं?

(a) यह कई परीक्षण करके छात्रों पर काम का बोझ बढ़ाता है।

(b) यह ग्रेड के साथ अंक बदलता है।

(c) यह छात्र के हर पहलू का मूल्यांकन करता है।

(d) यह परीक्षा भय को कम करने में मदद करता है।

कोड में से सही उत्तर का चयन करें:

(A) (ए), (बी), (सी) और (डी)

(B) (बी) और (डी)

(C) (ए), (बी) और (सी)

(D) (बी), (सी) और (डी)

उत्तर : (D)

100. निम्नलिखित में से कौन सी विशेषता एक शिक्षक की महान शक्तियों को दर्शाती है?

(a) संस्थागत प्रबंधन में पूर्णकालिक सक्रिय भागीदारी

(b) उदाहरण स्थापित करना

(c) परीक्षण करने के लिए धारणाएँ तैयार करना

(d) गलतियाँ स्वीकार करना

कोड में से सही उत्तर का चयन करें:

(A) (ए), (बी) और (डी)

(B) (बी), (सी) और (डी)

(C) (ए), (सी) और (डी)

(D) (ए), (बी), (सी) और (डी)

उत्तर : (बी)